Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
09 January

Quote of the Day

Result Mitra

अगर आपने सफर शुरू कर ही दिया है तो
बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं होगा
क्योंकि वापस आने में जितनी दूरी तय होगी

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

1974 → पहला परीक्षण

1998 → दूसरा परीक्षण

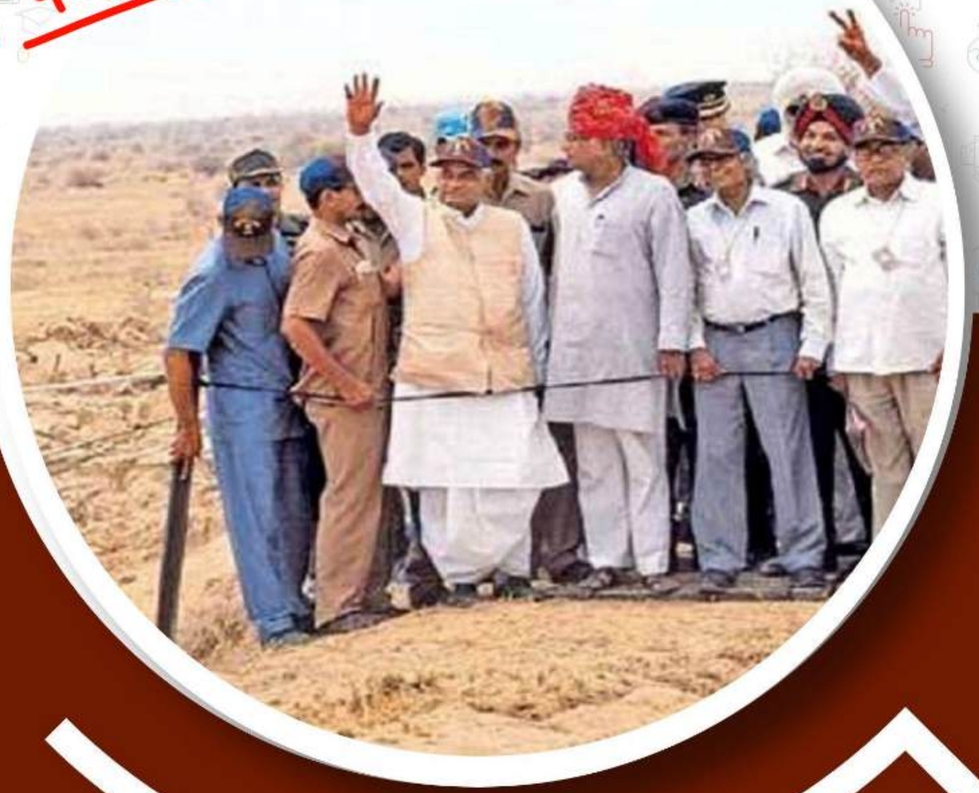

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

Result Mitra

- पोखरण परमाणु परीक्षण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है, जिसने भारत को एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।
- पोखरण में दो मुख्य परमाणु परीक्षण हुए हैं: पहला 1974 में और दूसरा 1998 में।

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

Result Mitra

पहला परमाणु परीक्षण (1974) - "स्माइलिंग बुद्धा"

1. पृष्ठभूमि:

- 1962 के भारत-चीन युद्ध और 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद, भारत ने महसूस किया कि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने के लिए परमाणु हथियार विकसित करने की आवश्यकता है।

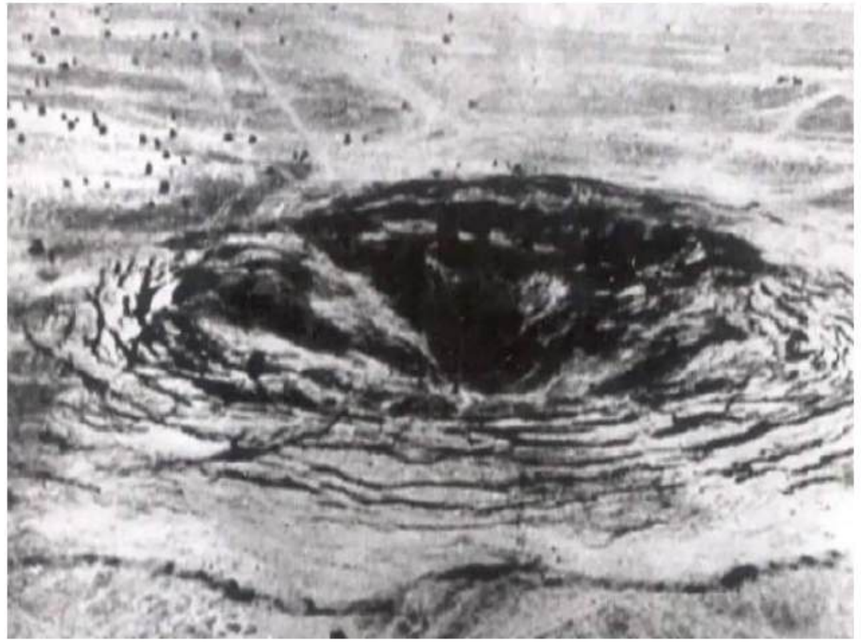

पहला परमाणु परीक्षण (1974) - "स्माइलिंग बुद्धा"

2. नेतृत्व:

- प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में, भारत ने 18 मई 1974 को राजस्थान के पोखरण में "स्माइलिंग बुद्धा" नामक पहला परमाणु परीक्षण किया।

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

Result Mitra

पहला परमाणु परीक्षण (1974) - "स्माइलिंग बुद्धा"

3. तकनीकी पक्ष:

- यह एक भूमिगत परीक्षण था।
- भारत ने इसे "शांतिपूर्ण परमाणु विस्फोट" (Peaceful Nuclear Explosion) कहा।
- परीक्षण में 8 किलो टन का परमाणु विस्फोट किया गया।

पहला परमाणु परीक्षण (1974) - "स्माइलिंग बुद्धा"

4. प्रभाव और प्रतिक्रिया:

- इस परीक्षण ने भारत को वैश्विक स्तर पर परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया।
- हालांकि, इसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की आलोचना हुई और भारत पर कई प्रतिबंध लगाए गए।

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

Result Mitra

दूसरा परमाणु परीक्षण (1998) - "ऑपरेशन शक्ति"

1. पृष्ठभूमि:

- 1990 के दशक में भारत के पड़ोसी देशों (चीन और पाकिस्तान) की परमाणु गतिविधियों ने भारत के लिए सुरक्षा का नया खतरा पैदा किया।

2. नेतृत्व:

- अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में, भारत ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच परमाणु परीक्षण किए। इसे "ऑपरेशन शक्ति" नाम दिया गया।

दूसरा परमाणु परीक्षण (1998) - "ऑपरेशन शक्ति"

3. तकनीकी पक्ष:

- इन परीक्षणों में 5 परमाणु बमों का सफल परीक्षण किया गया।
- इनमें से तीन परीक्षण 11 मई को और दो परीक्षण 13 मई को किए गए।
- परीक्षणों में फ्यूजन (हाइड्रोजन बम) और फिशन बम शामिल थे।

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

Result Mitra

दूसरा परमाणु परीक्षण (1998) - "ऑपरेशन शक्ति"

4. रणनीति और गुप्तता:

- इन परीक्षणों को अत्यंत गोपनीय रखा गया।
- अमेरिका की उन्नत उपग्रह निगरानी को चकमा देते हुए भारत ने यह परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

दूसरा परमाणु परीक्षण (1998) - "ऑपरेशन शक्ति"

5. प्रभाव और प्रतिक्रिया:

- इस परीक्षण के बाद भारत ने खुद को एक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र घोषित किया।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए।
- हालांकि, भारत की वैज्ञानिक क्षमता और सुरक्षा रणनीति को वैश्विक मान्यता मिली।

पोखरण परीक्षण का महत्व

1. राष्ट्रीय सुरक्षा:
   - यह परीक्षण भारत की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम था।
2. वैज्ञानिक उपलब्धि:
   - इन परीक्षणों ने भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित किया।

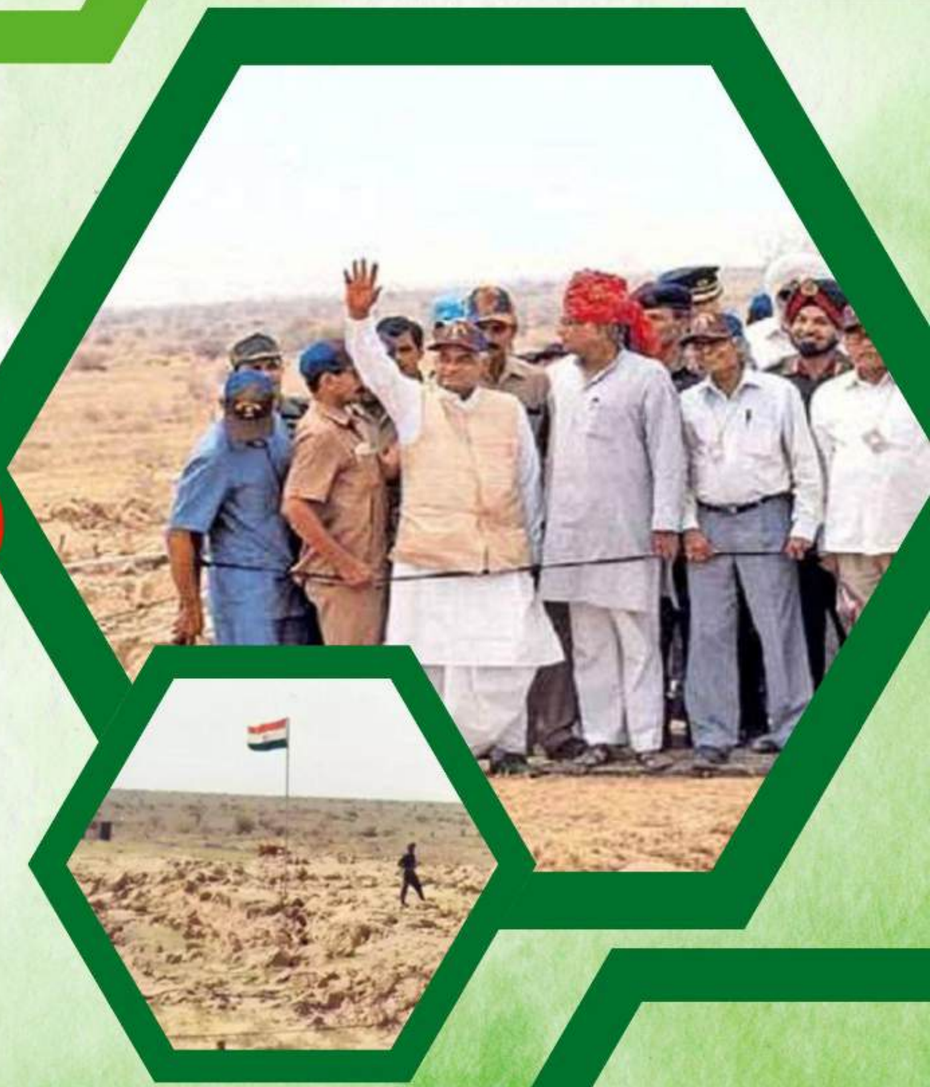

पोखरण परीक्षण का महत्व

3. वैश्विक शक्ति संतुलन:

- भारत ने खुद को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया।

4. भविष्य की दिशा:

- इन परीक्षणों के बाद, भारत ने "नो फर्स्ट यूज" (No First Use) की नीति अपनाई और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन किया।

Result Mitra

पश्चिमी देशों की प्रतिक्रियाएँ

- पोखरण परमाणु परीक्षण (1974 और 1998) पर पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया भारत के प्रति उनके कूटनीतिक, राजनीतिक और सामरिक दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- इन परीक्षणों पर पश्चिमी देशों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ थीं, जिनमें चिंता, आलोचना, प्रतिबंध, और कुछ हद तक भारत के प्रति समझदारी शामिल रही।

Result Mitra

1974 का पोखरण परीक्षण ("स्माइलिंग बुद्धा")

1. अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया:

- अमेरिका और कनाडा ने भारत के इस परीक्षण की कड़ी आलोचना की।
- कनाडा ने आरोप लगाया कि भारत ने परमाणु परीक्षण के लिए उस परमाणु तकनीक का उपयोग किया, जो उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए दी गई थी।
- अमेरिका और यूरोपीय देशों ने भारत के इस कदम को वैश्विक परमाणु अप्रसार प्रयासों (NPT - Non-Proliferation Treaty) के खिलाफ माना।

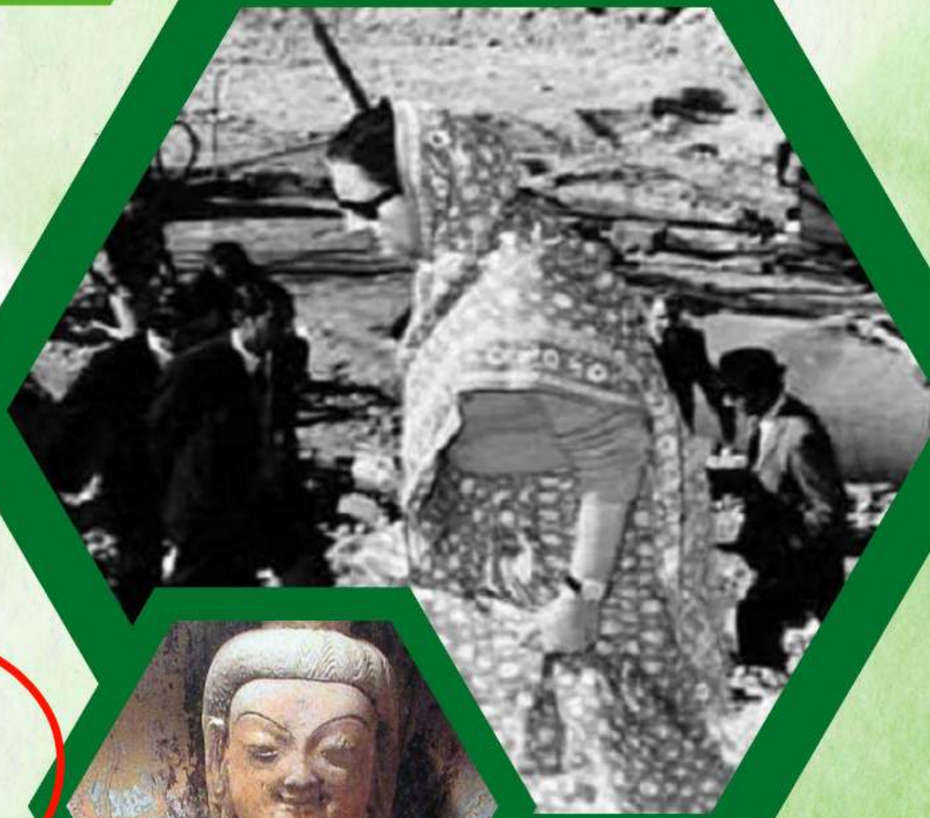

1974 का पोखरण परीक्षण ("स्माइलिंग बुद्धा")

2. अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध:

- भारत पर तकनीकी और आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए।
- कई पश्चिमी देशों ने भारत को दी जाने वाली परमाणु सामग्री और तकनीकी सहायता रोक दी।

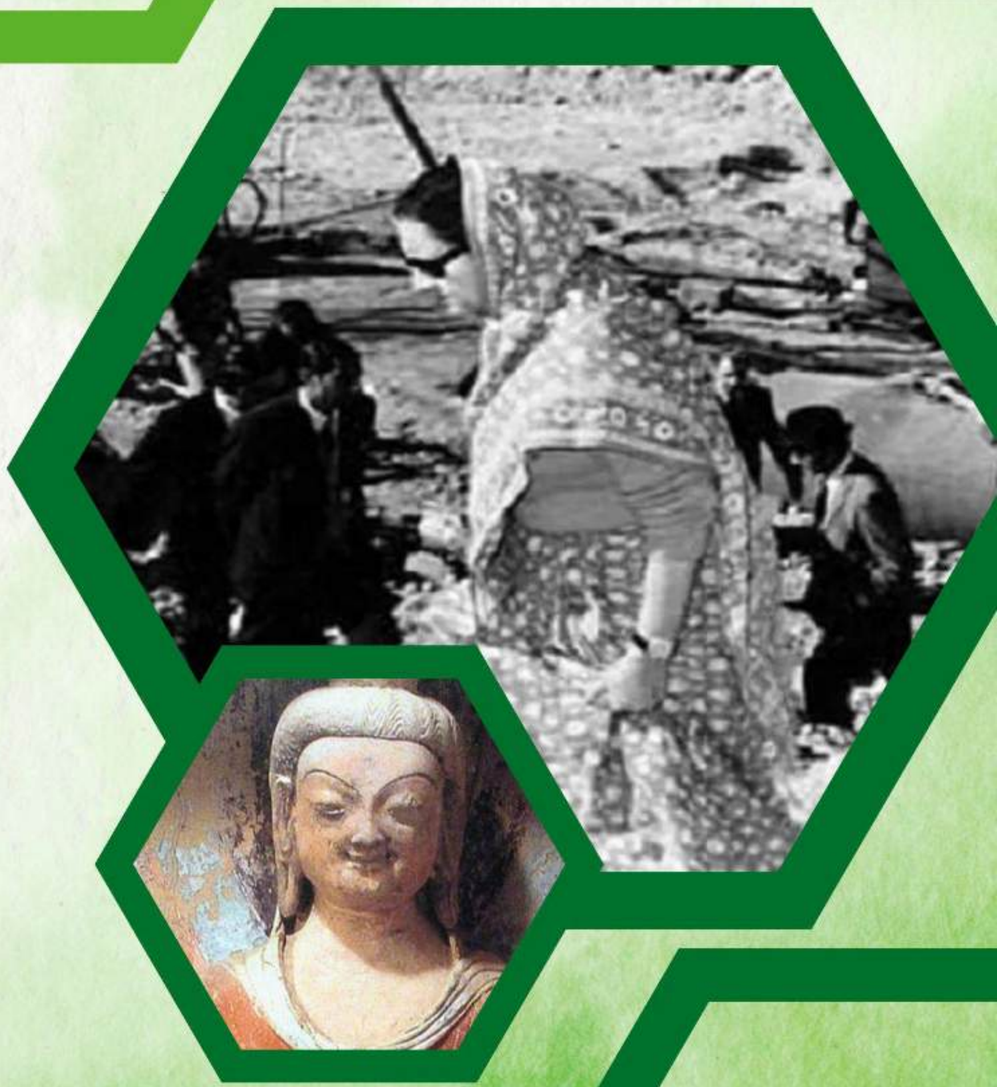

Result Mitra

1974 का पोखरण परीक्षण ("स्माइलिंग बुद्धा")

3. भारत के प्रति दृष्टिकोण:

- इस परीक्षण के बाद भारत को पश्चिमी देशों ने एक "गैर-जिम्मेदार" परमाणु शक्ति के रूप में देखा।
- हालांकि, यह भी माना गया कि भारत ने यह परीक्षण अपनी सुरक्षा चिंताओं के तहत किया।

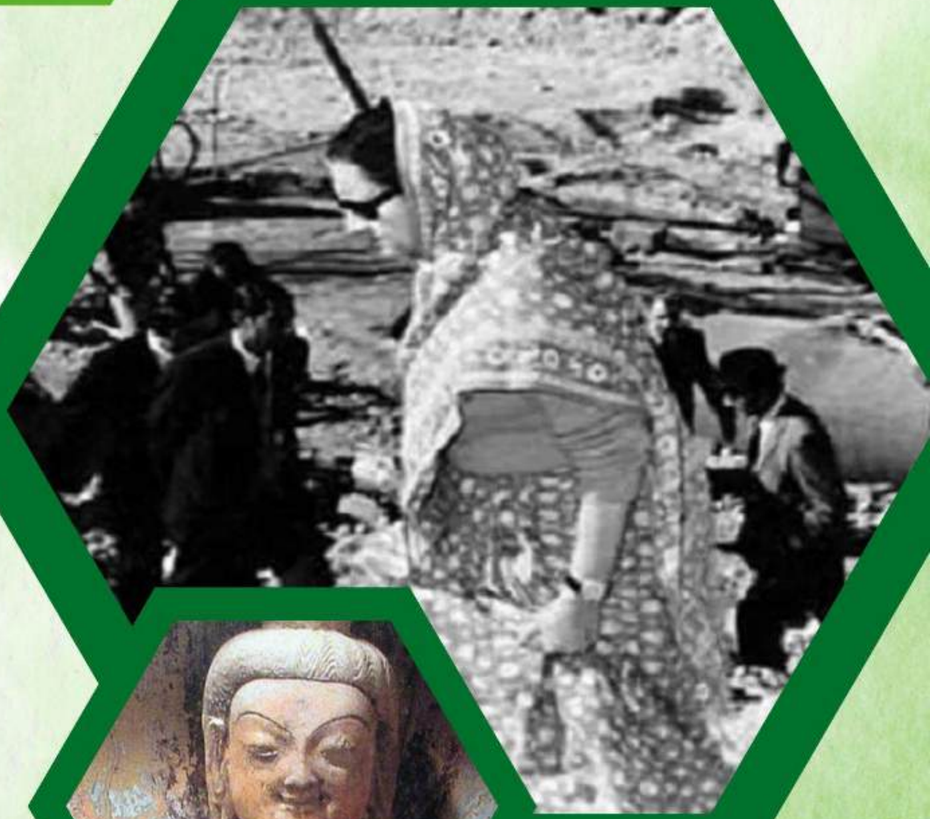

1998 का पोखरण परीक्षण ("ऑपरेशन शक्ति")

1. अमेरिका की प्रतिक्रिया:

- अमेरिका ने 1998 के परमाणु परीक्षणों की कड़ी निंदा की।
- राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए, जिसमें भारत को दी जाने वाली सभी सैन्य और तकनीकी सहायता रोक दी गई।
- अमेरिका ने भारत के इस कदम को दक्षिण एशिया में परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ाने वाला कदम माना।

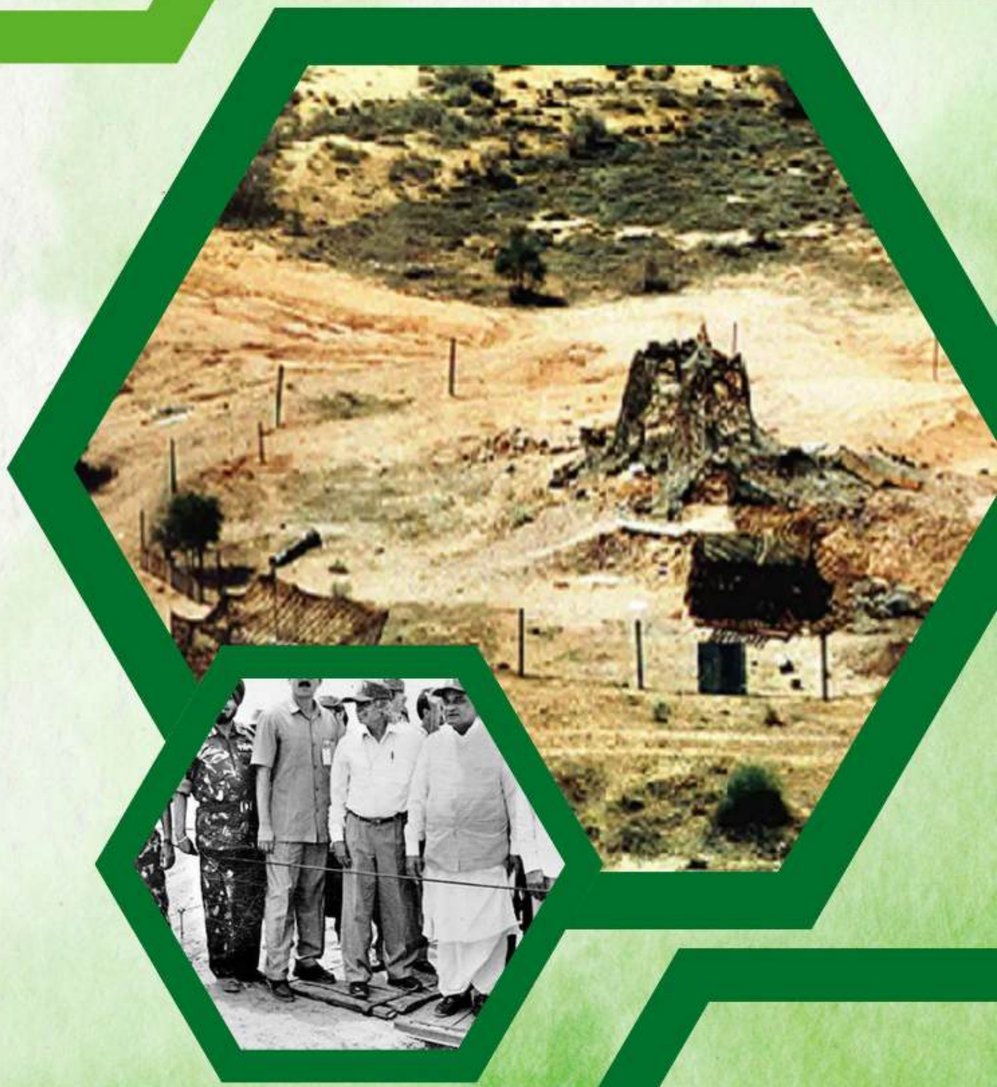

Result Mitra

1998 का पोखरण परीक्षण ("ऑपरेशन शक्ति")

2. यूरोपीय देशों की प्रतिक्रिया:

- ब्रिटेन और फ्रांस ने इस कदम पर चिंता जताई लेकिन भारत के साथ अपने कूटनीतिक संबंध बनाए रखे।
- जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों ने भारत के इस कदम को अस्थिरता पैदा करने वाला कदम बताया।

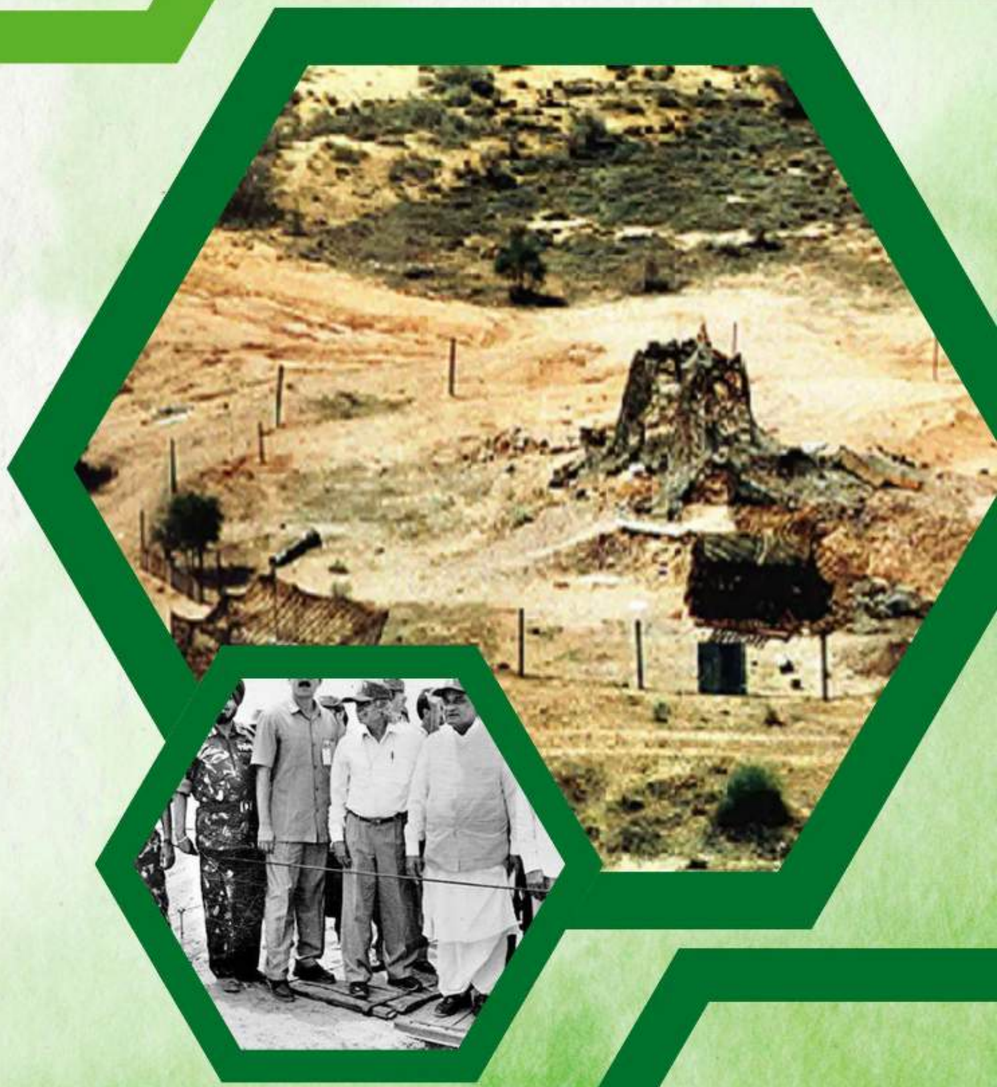

Result Mitra

1998 का पोखरण परीक्षण ("ऑपरेशन शक्ति")

3. चीन की प्रतिक्रिया:

- चीन ने भारत के परीक्षणों की कड़ी आलोचना की और इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया।
- हालांकि, पश्चिमी देशों ने चीन के इस दृष्टिकोण का पूर्ण समर्थन नहीं किया।

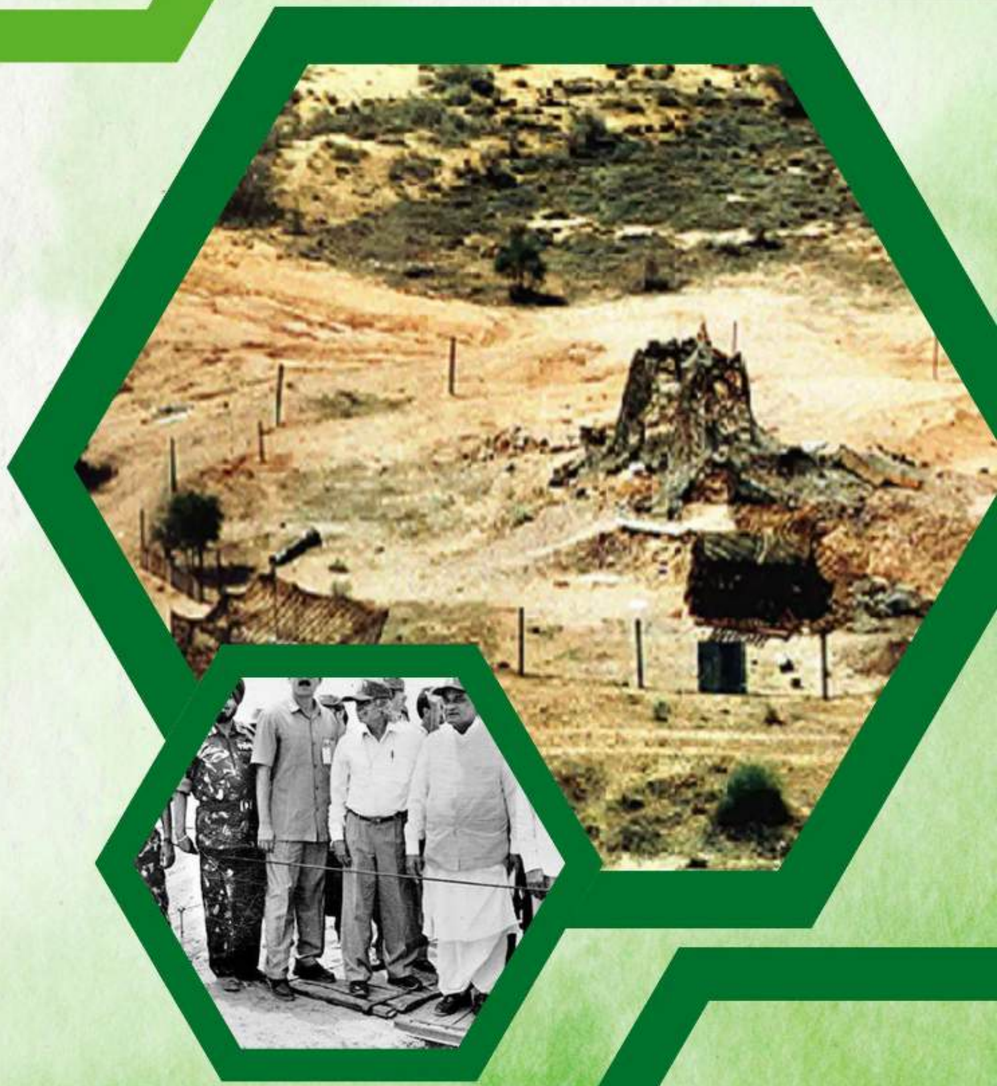

Result Mitra

1998 का पोखरण परीक्षण ("ऑपरेशन शक्ति")

4. संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाएँ:

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भारत के परमाणु परीक्षणों की आलोचना की।
- G8 देशों ने भी भारत को परीक्षण रोकने और परमाणु अप्रसार संधि (NPT) में शामिल होने की अपील की।

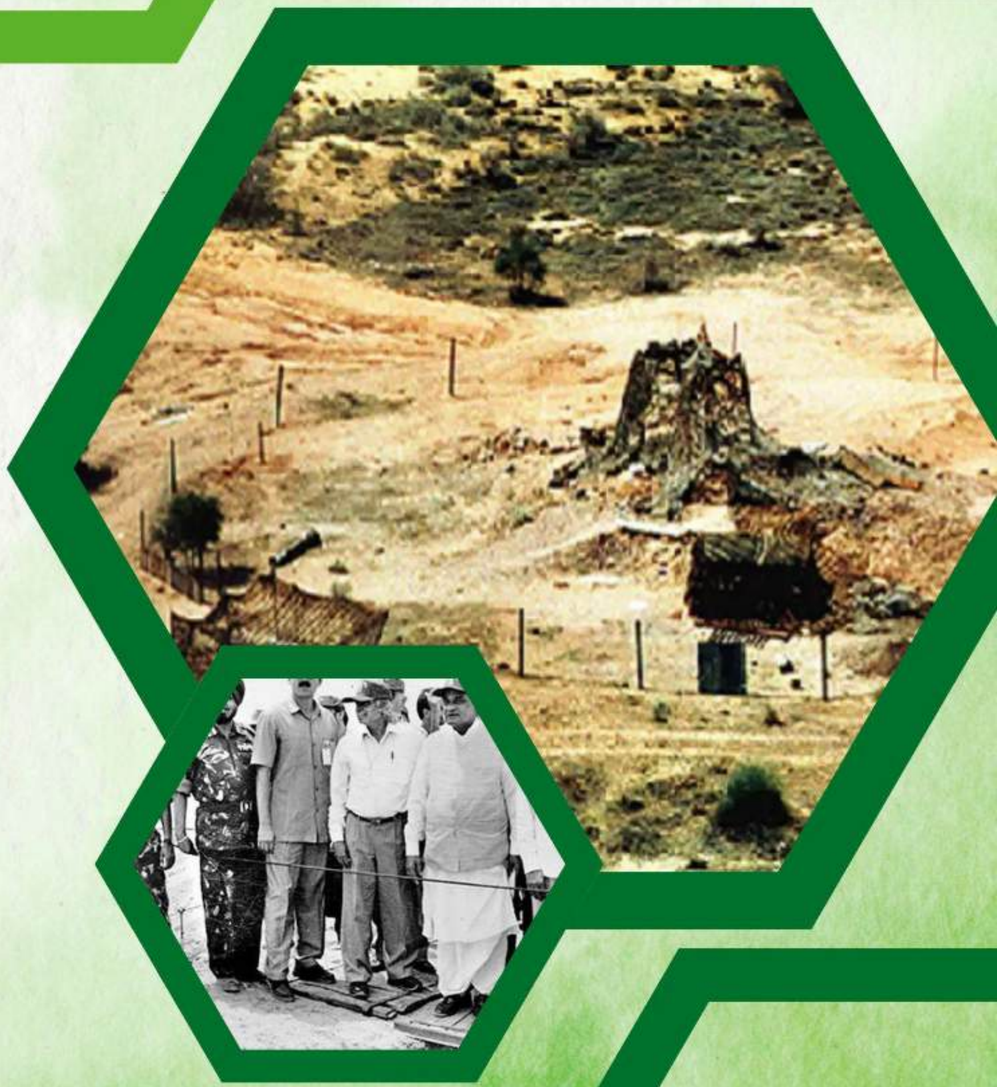

Result Mitra

1998 का पोखरण परीक्षण ("ऑपरेशन शक्ति")

5. भारत के प्रति बदला हुआ दृष्टिकोण:

- अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने धीरे-धीरे यह महसूस किया कि भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति है।
- 2005 में अमेरिका ने भारत के साथ नागरिक परमाणु समझौता किया, जो यह दर्शाता है कि पश्चिमी देशों ने भारत की परमाणु शक्ति को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया।

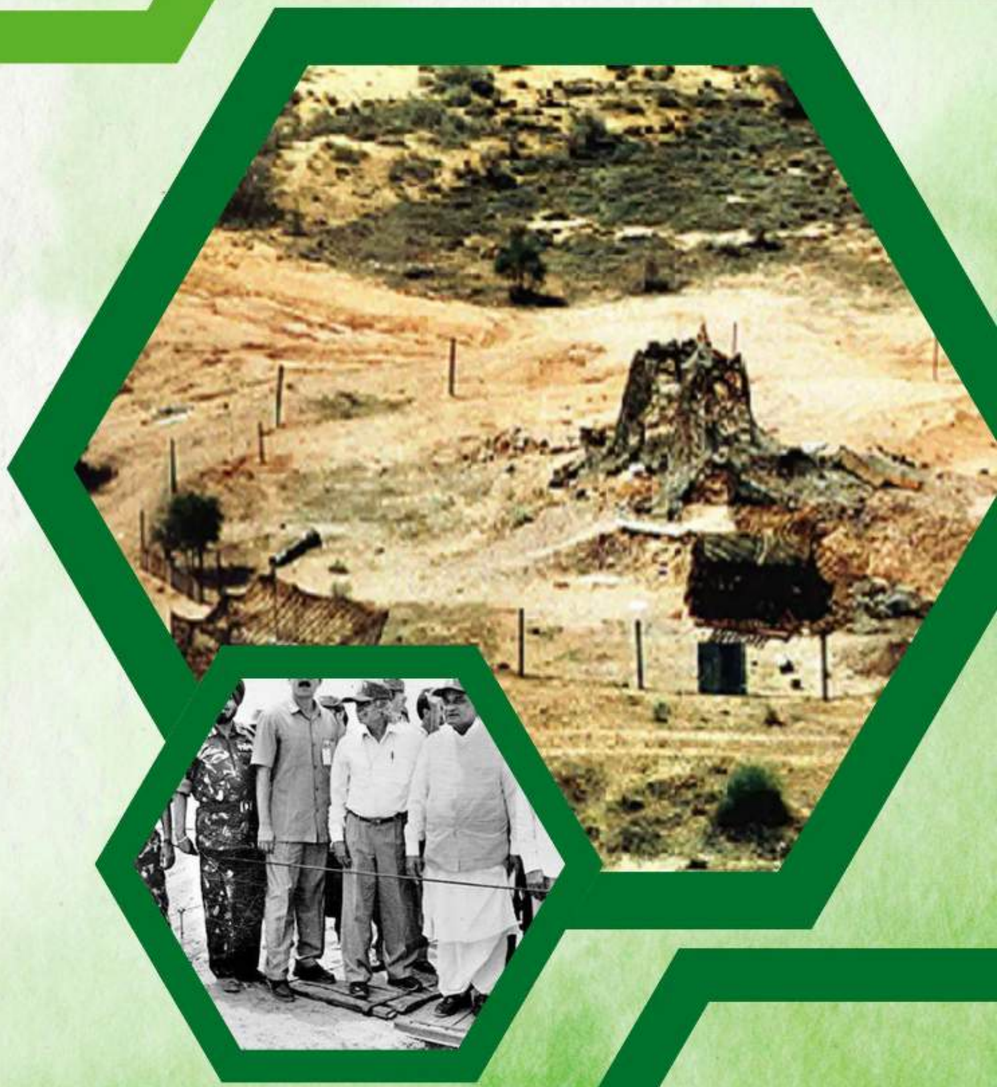

Result Mitra

पश्चिमी देशों की चिंताएँ

1. NPT और CTBT का उल्लंघन:

- पश्चिमी देशों ने भारत पर आरोप लगाया कि उसने परमाणु अप्रसार संधि (NPT) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT) का पालन नहीं किया।
- भारत ने इन समझौतों को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि ये "पक्षपाती" हैं और विकासशील देशों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।

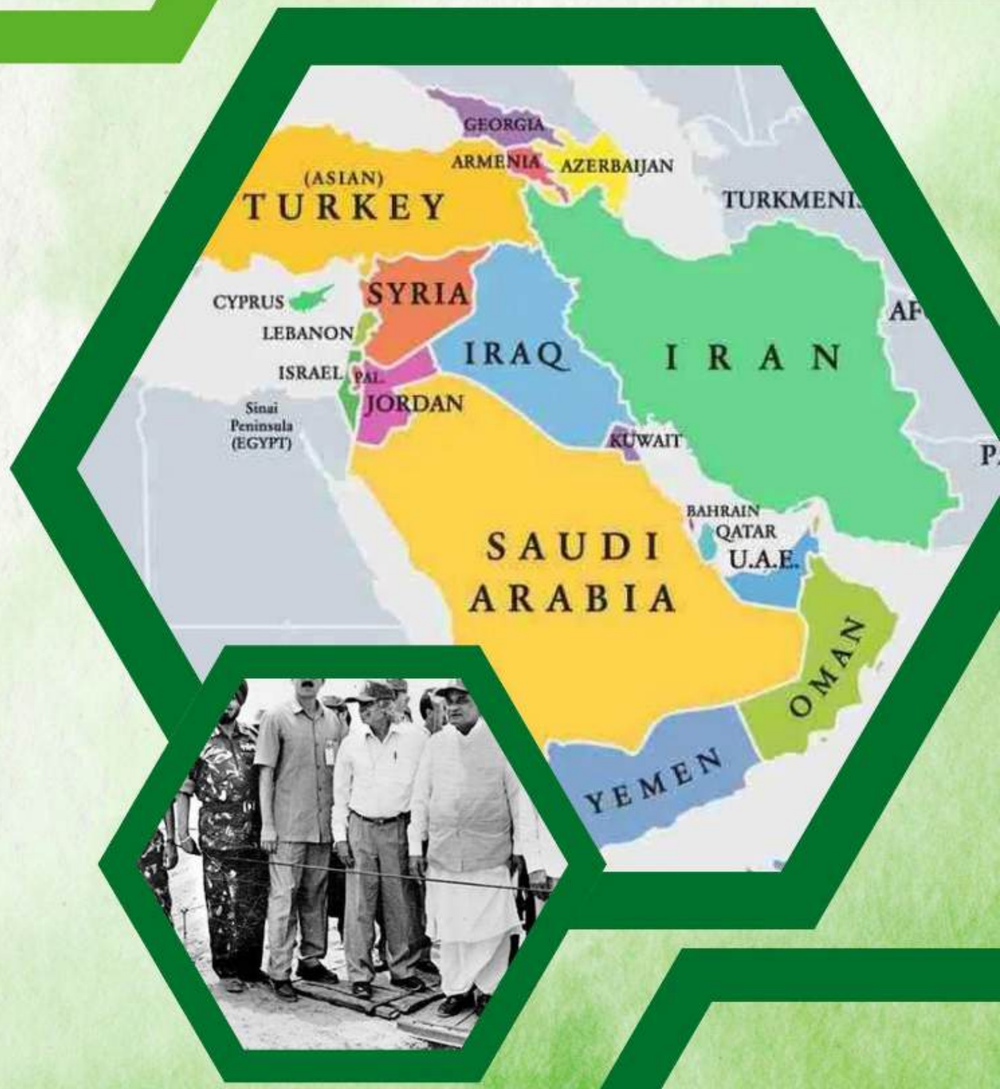

पश्चिमी देशों की चिंताएँ

2. क्षेत्रीय अस्थिरता:

- पश्चिमी देशों को डर था कि भारत के परीक्षण से पाकिस्तान भी परमाणु परीक्षण करेगा, जिससे दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ेगी।
- 1998 के बाद, पाकिस्तान ने भी परमाणु परीक्षण किया, जिससे पश्चिमी देशों की यह आशंका सही साबित हुई।

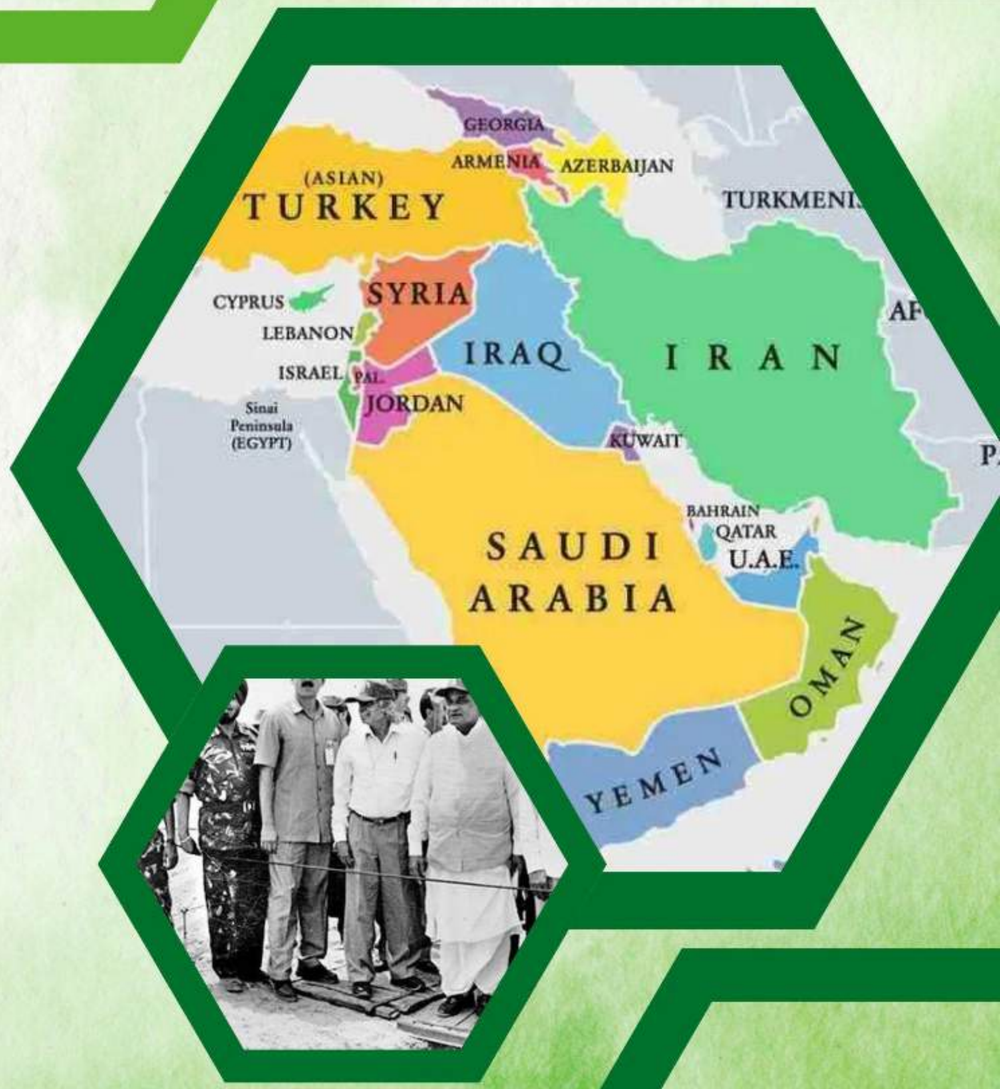

पश्चिमी देशों की चिंताएँ

3. परमाणु हथियारों की होड़:

- पश्चिमी देशों ने यह भी आशंका जताई कि भारत के परमाणु परीक्षण से एशिया में परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो सकती है।

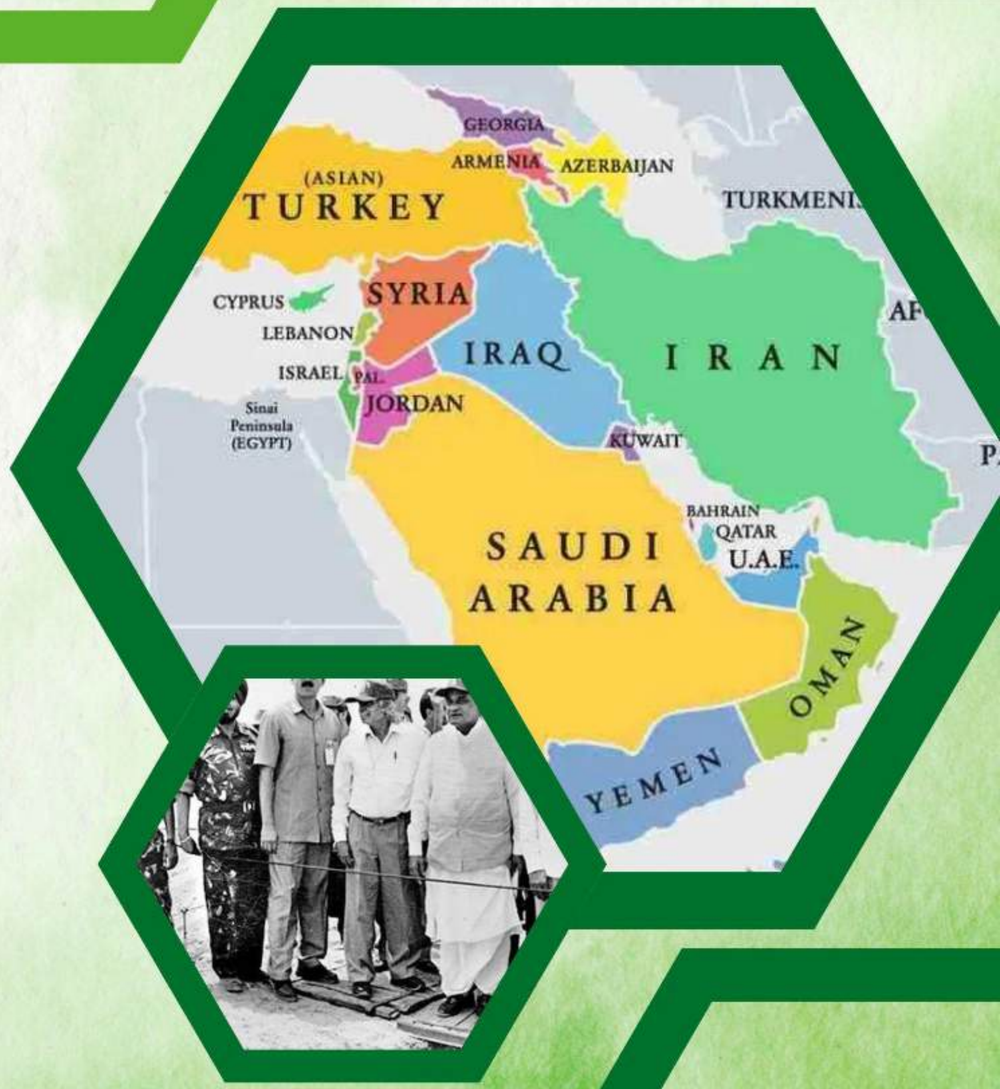

पश्चिमी देशों का बदला हुआ दृष्टिकोण

- 1998 के बाद धीरे-धीरे पश्चिमी देशों ने भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता देना शुरू किया।
- अमेरिका ने 2005 में भारत के साथ सिविल न्यूक्लियर डील की, जिसमें भारत की परमाणु तकनीक और ऊर्जा जरूरतों को समझते हुए सहयोग बढ़ाया गया।

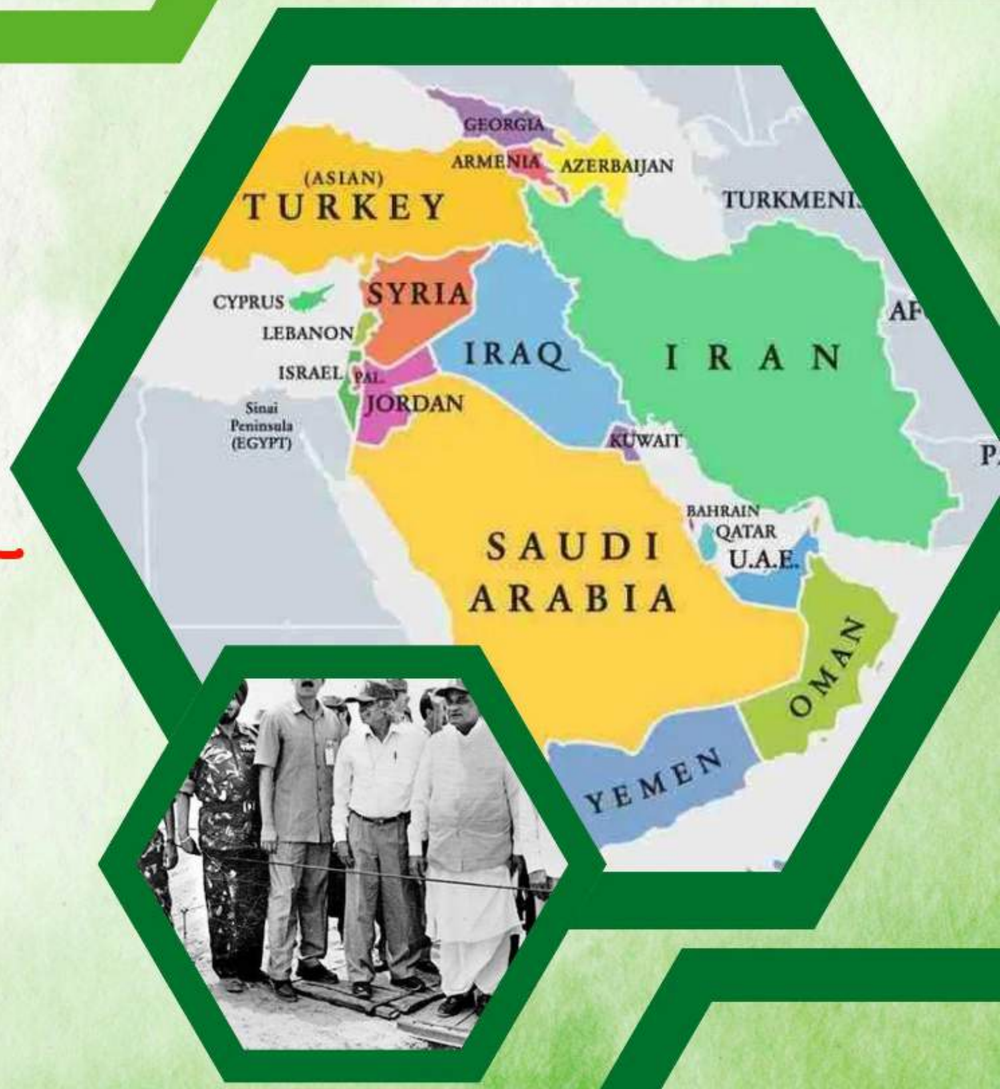

पश्चिमी देशों का बदला हुआ दृष्टिकोण

- भारत का "नो फर्स्ट यूज़" (No First Use) सिद्धांत और उसके परमाणु हथियारों के सीमित उपयोग की नीति ने भी पश्चिमी देशों के बीच भारत के प्रति भरोसा बढ़ाया।
- पोखरण परीक्षणों पर पश्चिमी देशों की प्रारंभिक प्रतिक्रिया नकारात्मक थी, लेकिन समय के साथ उन्होंने भारत के सुरक्षा हितों और क्षेत्रीय स्थिरता की उसकी चिंताओं को समझा। आज, पश्चिमी देश भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति मानते हैं और उसके साथ सहयोग करने के इच्छुक हैं।

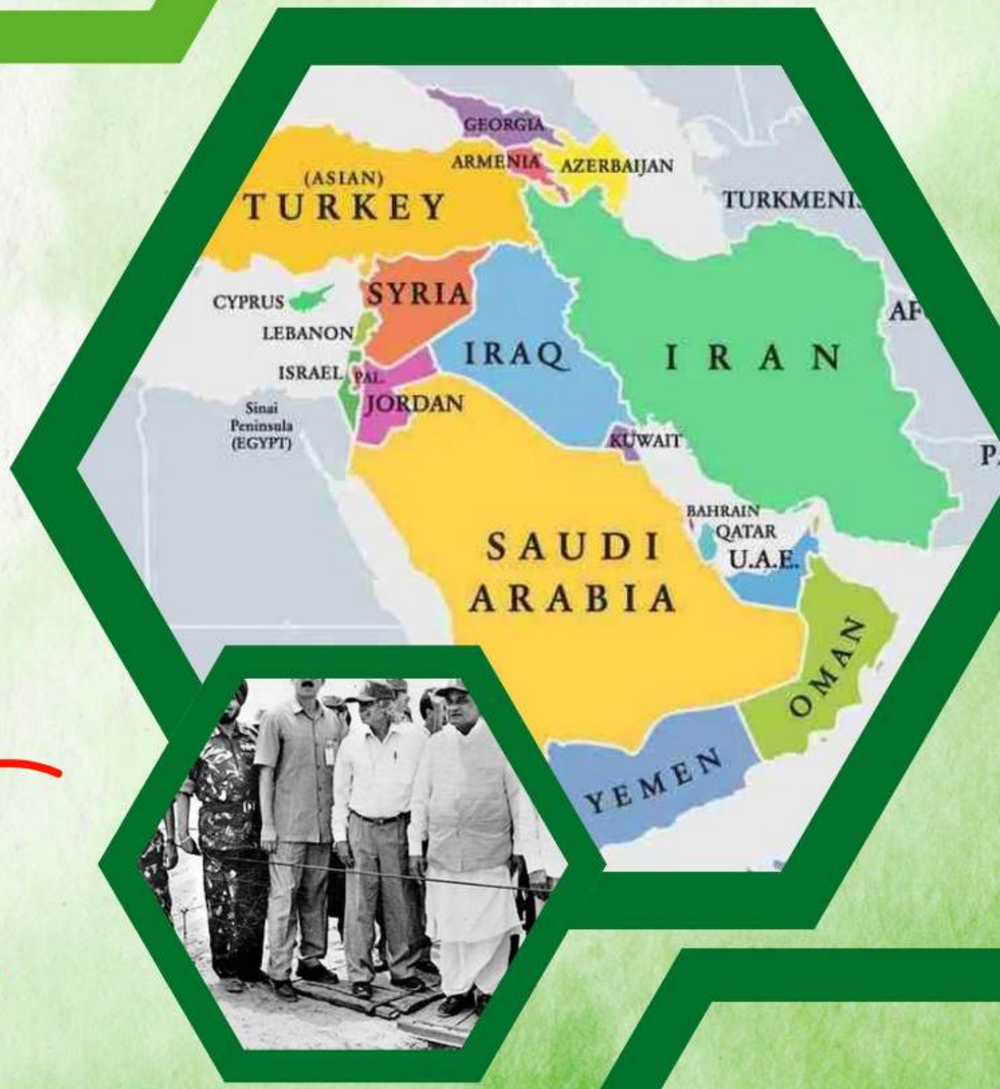

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: पोखरण परमाणु परीक्षण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. 1974 में भारत का पहला परमाणु परीक्षण "स्माइलिंग बुद्धा" के नाम से जाना जाता है।

2. 1998 के पोखरण परीक्षण को "ऑपरेशन शक्ति" कहा गया और इसमें 5 परमाणु परीक्षण शामिल थे।

3. भारत ने "नो फर्स्ट यूज" (No First Use) की नीति अपनाई और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन किया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

Result Mitra

साइबर हमले में भारत का दूसरा स्थान और साइबर हमलों से संबंधित तथ्य

साइबर हमले में भारत का दूसरा स्थान और साइबर हमलों से संबंधित तथ्य

Result Mitra

- साइबर इंटेलिजेंस फर्म क्लाउडएसईके की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत साइबर हमलों के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर रहा। इस अवधि में 95 भारतीय संस्थाओं पर डेटा चोरी के हमले हुए।

साइबर हमले में भारत का दूसरा स्थान और साइबर हमलों से संबंधित तथ्य

Result Mitra

प्रमुख निष्कर्ष:

- **वैश्विक रैंकिंग:** अमेरिका 140 हमलों के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि इज़राइल 57 हमलों के साथ तीसरे स्थान पर था।
- **प्रभावित क्षेत्र:** वित्त और बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए, जिनमें 20 हमले दर्ज किए गए। इसके बाद सरकारी (13), दूरसंचार (12), स्वास्थ्य सेवा एवं औषधि (10), और शिक्षा (9) क्षेत्र रहे।

साइबर हमले में भारत का दूसरा स्थान और साइबर हमलों से संबंधित तथ्य

Result Mitra

प्रमुख निष्कर्ष:

- **महत्वपूर्ण डेटा उल्लंघन:** प्रमुख घटनाओं में हाई-टेक ग्रुप से 850 मिलियन भारतीय नागरिकों के रिकॉर्ड का लीक होना, स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस के ग्राहकों के डेटा का लीक होना, और टेलीकम्युनिकेशन कंसल्टेंट्स इंडिया से 2TB डेटा का लीक शामिल हैं।

साइबर हमले में भारत का दूसरा स्थान और साइबर हमलों से संबंधित तथ्य

Result Mitra

प्रमुख निष्कर्ष:

- **रैनसमवेयर हमले:** भारत में 108 रैनसमवेयर घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें लॉकबिट समूह सबसे सक्रिय रहा और 20 से अधिक हमलों के लिए जिम्मेदार था। अन्य प्रमुख समूहों में किलसेक (15 से अधिक हमले) और रैंसमहब (12 से अधिक हमले) शामिल थे।

साइबर हमले में भारत का दूसरा स्थान और साइबर हमलों से संबंधित तथ्य

Result Mitra

भविष्य की चुनौतियाँ:

- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में साइबर हमलों की संख्या में वृद्धि जारी रह सकती है। अनुमान है कि 2033 तक भारत में प्रति वर्ष लगभग 1 ट्रिलियन (एक लाख करोड़) साइबर हमले हो सकते हैं, जो 2047 तक बढ़कर 17 ट्रिलियन (17 लाख करोड़) तक पहुंच सकते हैं।

साइबर हमले में भारत का दूसरा स्थान और साइबर हमलों से संबंधित तथ्य

Result Mitra

भविष्य की चुनौतियाँ:

- भारत में साइबर हमलों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि सभी क्षेत्रों में मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण ने कमजोरियों को उजागर किया है, जिससे संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करना अनिवार्य हो गया है।

क्लाउडएसईके (CloudSEK)

- क्लाउडएसईके (CloudSEK) एक साइबर इंटेलिजेंस कंपनी है, जो एंटरप्राइजेज और संगठनों को साइबर खतरों से बचाने के लिए डिजिटल सुरक्षा प्रदान करती है।
- यह कंपनी खतरे की जानकारी, डेटा उल्लंघन, रैनसमवेयर हमले और अन्य साइबर खतरों के बारे में सटीक जानकारी और विश्लेषण प्रदान करती है।

क्लाउडएसईके (CloudSEK)

- क्लाउडएसईके की सेवाओं में वर्चुअल एसेट्स का मॉनिटरिंग, डार्क वेब और अन्य अनधिकृत स्रोतों से डेटा का विश्लेषण, और संगठनों के साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना शामिल है।
- क्लाउडएसईके ने अपनी रिपोर्टों के माध्यम से वैश्विक साइबर सुरक्षा रुझानों पर प्रकाश डाला है और साइबर हमलों से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया है, जैसे डेटा उल्लंघन, रैनसमवेयर हमले और साइबर अपराधियों के समूहों का मंथन।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. साइबर इंटेलिजेंस फर्म क्लाउडएसईके की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत साइबर हमलों के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर था।

2. रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने 140 साइबर हमलों के साथ पहले स्थान पर और इज़राइल ने 57 हमलों के साथ तीसरे स्थान पर स्थान प्राप्त किया।

3. रैनसमवेयर हमलों में भारत ने 108 घटनाओं के साथ सबसे अधिक रिकॉर्ड दर्ज किया, जिसमें लॉकबिट, किलसेक और रैंसमहब प्रमुख समूह थे।

4. रिपोर्ट के अनुसार, 2033 तक भारत में साइबर हमलों की संख्या बढ़कर 17 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

कौन सा/से कथनों को सही माना जा सकता है?

A) केवल 1 और 3

B) केवल 1, 2 और 3

C) केवल 2, 3 और 4

D) सभी कथनों को सही माना जा सकता है

Result Mitra

मनुल

पलास बिल्ली चर्चा में

पलास बिल्ली चर्चा में

Result Mitra

- पलास बिल्ली, जिसे मनुल भी कहा जाता है, हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली एक दुर्लभ और शर्मीली जंगली बिल्ली है। हाल ही में, इस प्रजाति की उपस्थिति और संरक्षण को लेकर कुछ महत्वपूर्ण घटनाएँ और शोध सामने आए हैं:

पलास बिल्ली चर्चा में

Result Mitra

1. हिमाचल प्रदेश में पलास बिल्ली की उपस्थिति की पुष्टि:

- हाल ही में, हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले की हंगरंग घाटी में पलास बिल्ली की उपस्थिति की पुष्टि हुई है। यह पुष्टि भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के शोधकर्ता नीरज महर द्वारा की गई।
- इससे पहले, हिमाचल प्रदेश में इस प्रजाति की उपस्थिति के पुख्ता प्रमाण नहीं थे। इस खोज से लद्दाख से लेकर सिक्किम तक के क्षेत्र में पलास बिल्ली की निरंतर उपस्थिति का संकेत मिलता है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान

पलास बिल्ली चर्चा में

2. नेपाल में पलास बिल्ली की उपस्थिति की पुष्टि:

- नेपाल के कंचनजंगा क्षेत्र में, जो भारत और नेपाल की सीमा पर स्थित है, पलास बिल्ली की उपस्थिति की पुष्टि की गई है।
- यह पुष्टि 2012 में की गई थी, जब पश्चिमी हिमालय के अन्नपूर्णा क्षेत्र में कैमरा ट्रैप द्वारा इस बिल्ली की तस्वीरें ली गईं। इससे पहले, नेपाल के पूर्वी हिमालय में इस प्रजाति की उपस्थिति की पुष्टि नहीं हुई थी।

पलास बिल्ली चर्चा में

Result Mitra

3. पलास बिल्ली के संरक्षण में चुनौतियाँ:

- पलास बिल्ली की संख्या और वितरण के बारे में जानकारी की कमी के कारण, इसके संरक्षण में कई चुनौतियाँ हैं। इस प्रजाति के लिए विशेष शोध और संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता है, ताकि इसके भोजन, शिकार और आवास की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पलास बिल्ली चर्चा में

Result Mitra

3. पलास बिल्ली के संरक्षण में चुनौतियाँ:

- पलास बिल्ली की उपस्थिति की हालिया पुष्टि और इसके संरक्षण में आ रही चुनौतियाँ इस प्रजाति की स्थिति और संरक्षण की आवश्यकता को उजागर करती हैं। इसकी उपस्थिति की पुष्टि से यह भी संकेत मिलता है कि इसके संरक्षण के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है, ताकि इस दुर्लभ प्रजाति को बचाया जा सके।

पलास की बिल्ली

पलास की बिल्ली, एक छोटी, मोटी, और घनी फ़र वाली जंगली बिल्ली है:

- इसे मैनुल भी कहा जाता है.
- यह घरेलू बिल्ली के आकार की होती है.
- इसका सिर से शरीर 46 से 65 सेमी (18 से 26 इंच) लंबा होता है.

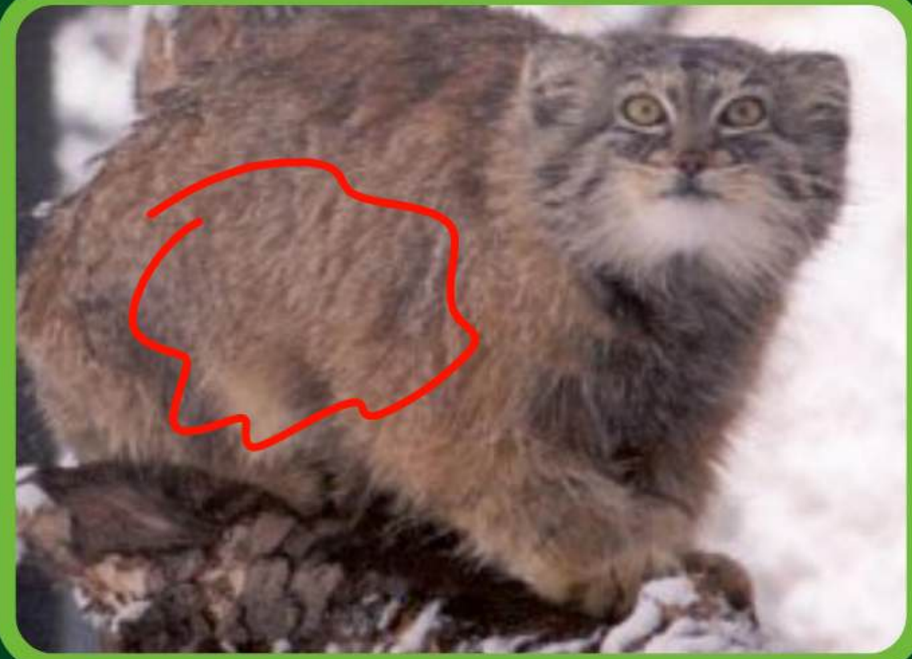

पलास की बिल्ली

- इसकी पूंछ 21 से 31 सेमी (8.3 से 12.2 इंच) लंबी होती है.
- इसका वज़न 2.5 से 4.5 किलोग्राम (5 पाउंड 8 औंस से 9 पाउंड 15 औंस) होता है.
- इसके बाल भूरे रंग के होते हैं, खास तौर पर सर्दियों में, जबकि गर्मियों के महीनों में उनके बाल लाल हो सकते हैं.

पलास की बिल्ली

- यह बिल्ली बहुत तेज शिकारी है और चंद सेकंडों में अपने शिकार का खात्मा कर देती है.
- यह मांसाहारी होती है और ज़्यादातर छोटे कृंतक और पिका खाती है.
- यह पश्चिम में कैस्पियन सागर से लेकर पाकिस्तान, कजाकिस्तान और उत्तरी भारत से होते हुए चीन और मंगोलिया तक पाई जाती है.

Result Mitra

पलास की बिल्ली

- यह शुष्क, पर्वतीय झाड़ियों और घास के मैदानों, चट्टानी ढलानों, खड्डों और उन क्षेत्रों में निवास करती है.
- इसका नाम पीटर साइमन पल्लास के नाम पर रखा गया था.
- उन्होंने पहली बार 1776 में रूस के बैकाल झील के पास से एकत्र नमूनों के आधार पर इसका वर्णन किया था.
- यह बिल्ली भारत के हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाती है.
- यह बहुत ही शर्मीली और जनसंख्या में बहुत ही कम है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पलास बिल्ली, जिसे मनुल भी कहा जाता है, हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली एक दुर्लभ और शर्मीली जंगली बिल्ली है।

2. हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले की हंगरंग घाटी में पलास बिल्ली की उपस्थिति की हाल ही में पुष्टि की गई है।

3. नेपाल के कंचनजंगा क्षेत्र में 2012 में पलास बिल्ली की उपस्थिति की पुष्टि की गई थी।

4. पलास बिल्ली के संरक्षण में प्रमुख चुनौती इसकी प्रजनन दर और आहार की उपलब्धता नहीं है, बल्कि इसके बारे में जानकारी की कमी है।

कौन सा/से कथनों को सही माना जा सकता है?

A) केवल 1, 2 और 3

B) केवल 2, 3 और 4

C) केवल 1, 3 और 4

D) सभी कथनों को सही माना जा सकता है

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) के अध्यक्ष पद पर हाल ही में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।

- वर्तमान अध्यक्ष: आदिले सुमारीवाला

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

Result Mitra

- आदिले सुमारीवाला ने 2012 में AFI के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला था और उनके नेतृत्व में भारतीय एथलेटिक्स ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। हालांकि, राष्ट्रीय खेल संहिता के तहत, वे अब तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते थे।
- नए अध्यक्ष: बहादुर सिंह सागू

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

Result Mitra

- 2002 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शॉटपुट खिलाड़ी बहादुर सिंह सागू को AFI का नया अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया है। उनका चुनाव चंडीगढ़ में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक आम बैठक (AGM) के दौरान हुआ।
- सागू ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता था और उन्हें 2006 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

Result Mitra

नई नियुक्तियाँ:

- **महासचिव:** संदीप मेहता को महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। वे पहले AFI की कार्यकारी परिषद में वरिष्ठ संयुक्त सचिव थे।
- **कोषाध्यक्ष:** बीई स्टेनली जोन्स को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

Result Mitra

भविष्य की योजनाएँ:

- AFI ने भारतीय एथलेटिक्स को बढ़ावा देने के लिए कई प्रमुख पहलों की घोषणा की है, जिनमें एक प्रमुख भाला प्रतियोगिता और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी शामिल है। इन पहलों का उद्देश्य भारतीय एथलेटिक्स को वैश्विक स्तर पर और अधिक सफलता दिलाना है।
- इन परिवर्तनों और पहलों से भारतीय एथलेटिक्स के भविष्य में नई दिशा और ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

Result Mitra

बहादुर सिंह सागू

- बहादुर सिंह सागू भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी हैं, जो 2002 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता रहे थे। वे भारतीय एथलेटिक्स की प्रमुख हस्तियों में से एक माने जाते हैं। उनका जन्म 1969 में हुआ था, और वे शॉटपुट में अपनी विशेष प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध हैं।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

बहादुर सिंह सागू

प्रमुख उपलब्धियाँ:

- 1. 2002 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक: बहादुर सिंह सागू ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में शॉटपुट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।
- 2. पद्म श्री से सम्मानित: अपनी उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों के लिए उन्हें 2006 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान से नवाजा गया।

बहादुर सिंह सागू

प्रमुख उपलब्धियाँ:

- 3. एथलेटिक्स में योगदान: एथलेटिक्स में अपनी शानदार करियर के बाद उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है। उनका उद्देश्य भारतीय एथलेटिक्स को और अधिक सफल बनाना और उसे वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाना है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और उसके अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू

बहादुर सिंह सागू

प्रमुख उपलब्धियाँ:

- बहादुर सिंह सागू का नेतृत्व भारतीय एथलेटिक्स के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने एथलेटिक्स क्षेत्र में अपने अनुभव और समर्पण से योगदान दिया है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

- भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI) भारतीय एथलेटिक्स खेलों का प्रमुख संगठन है, जो एथलेटिक्स से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का संचालन करता है। यह संस्था भारतीय एथलेटिक्स को प्रोत्साहित करने, खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और प्रतियोगिताओं का आयोजन करने के लिए जिम्मेदार है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

स्थापना और उद्देश्य:

- AFI की स्थापना 1946 में हुई थी, और इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय एथलेटिक्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना और विकसित करना है। यह भारतीय एथलेटिक्स को सर्वोत्तम मानक पर लाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जैसे राष्ट्रीय चैंपियनशिप, युवा और जूनियर प्रतियोगिताएँ, तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

मुख्य कर्तव्य और कार्य:

- 1. प्रशिक्षण और विकास: AFI भारतीय एथलेटिक्स के खिलाड़ियों को विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करता है।
- 2. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ: AFI राष्ट्रीय स्तर पर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय एथलीटों को प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करता है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

मुख्य कर्तव्य और कार्य:

- 3. खिलाड़ियों का चयन: AFI प्रमुख एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय एथलीटों का चयन करता है, जैसे ओलंपिक, एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप, और अन्य अंतरराष्ट्रीय आयोजन।
- 4. विकासात्मक कार्यक्रम: AFI भारतीय एथलेटिक्स को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रम चलाता है, जैसे नये खिलाड़ी खोजने के लिए राज्य-स्तरीय प्रतियोगिताएँ और टैलेंट हंट कार्यक्रम।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

Result Mitra

मुख्य कर्तव्य और कार्य:

- 5. संबंध और सहयोग: AFI भारतीय ओलंपिक संघ (IOA), एशियाई एथलेटिक्स संघ (AAA) और अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (IAAF) जैसे संगठनों के साथ सहयोग करता है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

Result Mitra

हाल के बदलाव:

- AFI के हालिया अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू बने हैं। वे भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी रहे हैं और अब भारतीय एथलेटिक्स को और अधिक वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य करेंगे। उनकी अध्यक्षता में AFI भारतीय एथलेटिक्स को और प्रोत्साहित करने के लिए नए दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास कर रहा है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

हाल के बदलाव:

- AFI के हालिया अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू बने हैं। वे भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी रहे हैं और अब भारतीय एथलेटिक्स को और अधिक वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य करेंगे। उनकी अध्यक्षता में AFI भारतीय एथलेटिक्स को और प्रोत्साहित करने के लिए नए दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास कर रहा है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

महत्वपूर्ण आयोजन:

- AFI भारतीय एथलेटिक्स के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, ओलंपिक खेल और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन और समन्वय करता है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (Athletics Federation of India - AFI)

महत्वपूर्ण आयोजन:

- भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का कार्य भारतीय एथलेटिक्स खेलों को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ावा देना है। इसके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों से एथलेटिक्स के खिलाड़ियों को न केवल अपने कौशल को निखारने का अवसर मिलता है, बल्कि यह भारतीय एथलेटिक्स को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने में भी मदद करता है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. आदिले सुमारीवाला 2012 से भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) के अध्यक्ष रहे हैं और राष्ट्रीय खेल संहिता के तहत वे तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते थे।

2. बहादुर सिंह सागू, जो 2002 एशियाई खेलों में शॉटपुट में स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं, को AFI का नया अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया है।

3. AFI की स्थापना 1946 में हुई थी और इसका उद्देश्य भारतीय एथलेटिक्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।

4. AFI भारतीय एथलेटिक्स के खिलाड़ियों के चयन में केवल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में ही भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन करता है।

कौन सा/से कथनों को सही माना जा सकता है?

A) केवल 1, 2 और 3

B) केवल 2, 3 और 4

C) केवल 1, 3 और 4

D) सभी कथनों को सही माना जा सकता है

Result Mitra

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

Result Mitra

- ब्रिक्स (BRICS) संगठन में हाल ही में इंडोनेशिया की सदस्यता और ब्रिक्स का वैश्विक योगदान महत्वपूर्ण विषय बने हैं।

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

Result Mitra

इंडोनेशिया की ब्रिक्स में सदस्यता:

- 6 जनवरी 2025 को ब्राजील ने आधिकारिक रूप से घोषणा की कि इंडोनेशिया ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बन गया है। इंडोनेशिया, जो दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम बहुल देश है, अब ब्रिक्स समूह का दसवां सदस्य है। इससे पहले, 2023 में जोहान्सबर्ग में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इंडोनेशिया की सदस्यता को मंजूरी दी गई थी।

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

Result Mitra

ब्रिक्स का वैश्विक योगदान:

- ब्रिक्स देशों का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वैश्विक GDP का लगभग 35.6% है, जो जी7 देशों के 30.3% से अधिक है।
- इन देशों की संयुक्त आबादी विश्व की कुल आबादी का लगभग 58.75% है, जिससे यह समूह वैश्विक जनसंख्या का प्रमुख प्रतिनिधि बनता है। ब्रिक्स का उद्देश्य वैश्विक शासन संस्थानों में सुधार करना और वैश्विक दक्षिण के भीतर सहयोग को बढ़ावा देना है।

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

Result Mitra

ब्रिक्स का वैश्विक योगदान:

- इंडोनेशिया की ब्रिक्स में सदस्यता से संगठन की वैश्विक भूमिका और प्रभाव में वृद्धि होगी, जिससे विकासशील देशों के बीच सहयोग और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

Result Mitra

BRICS

- BRICS, ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, और दक्षिण अफ़्रीका के पांच उभरते देशों का एक समूह है. इन देशों के नाम के पहले अक्षरों से मिलकर इसका नाम ब्रिक्स बना है. साल 2009 में इसकी स्थापना हुई थी. ब्रिक्स देशों में दुनिया की 45% आबादी रहती है.
- इन देशों का सकल घरेलू उत्पाद दुनिया के कुल सकल घरेलू उत्पाद का 30% है और वैश्विक व्यापार में इनकी हिस्सेदारी 17% है.

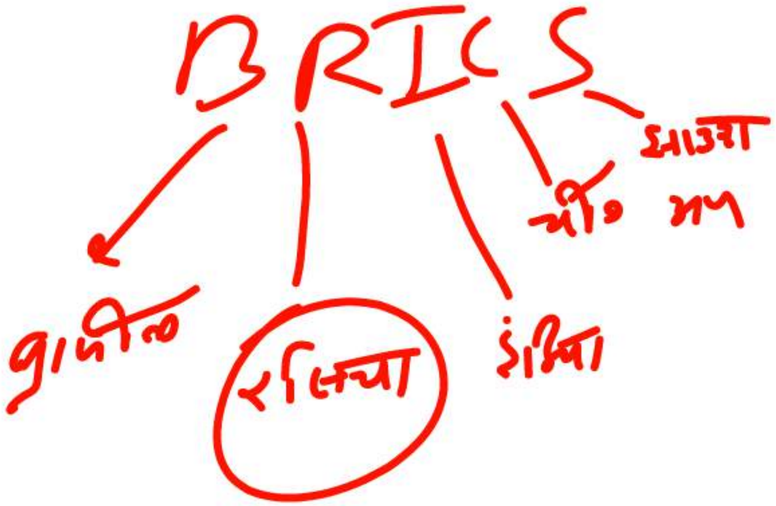

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

Result Mitra

ब्रिक्स देशों के बारे में

- ब्रिक्स देशों का मुख्यालय शंघाई, चीन में है.
- साल 2010 में दक्षिण अफ़्रीका के शामिल होने से पहले इसे 'ब्रिक' (BRIC) के नाम से जाना जाता था.
- 1 जनवरी, 2024 को मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, और संयुक्त अरब अमीरात को भी ब्रिक्स में शामिल किया गया.

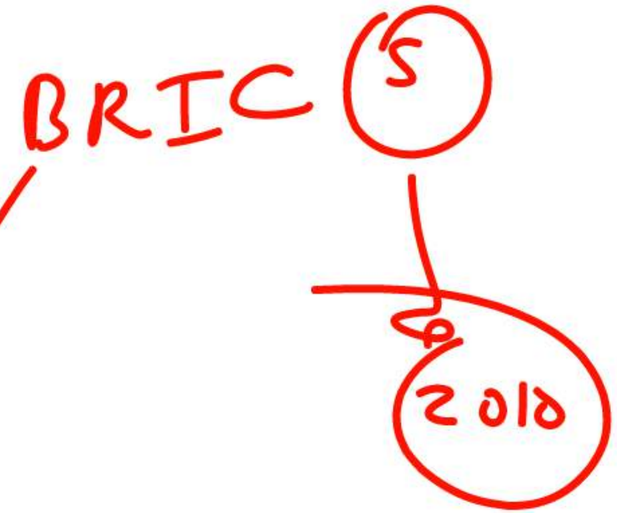

ब्रिक्स संगठन में हुई इंडोनेशिया की एंट्री और ब्रिक्स का योगदान

Result Mitra

ब्रिक्स देशों के बारे में

- ब्रिक्स देशों में आर्थिक विकास और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए व्यापार, कृषि, बुनियादी ढांचे, लघु एवं मध्यम उद्यम, ऊर्जा, वित्त, और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग किया जाता है.
- ब्रिक्स देश एक नई वैश्विक मुद्रा प्रणाली पर विचार कर रहे हैं.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. 6 जनवरी 2025 को ब्राजील ने आधिकारिक रूप से घोषणा की कि इंडोनेशिया ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बन गया है।

2. ब्रिक्स देशों का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वैश्विक GDP का लगभग 35.6% है, जो जी7 देशों के 30.3% से अधिक है।

3. ब्रिक्स देशों के मुख्यालय शंघाई, चीन में स्थित हैं और यह 2010 में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने से 'ब्रिक' (BRIC) के नाम से जाना जाता था।

4. 1 जनवरी, 2024 को मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, और संयुक्त अरब अमीरात को ब्रिक्स में शामिल किया गया।

कौन सा/से कथनों को सही माना जा सकता है?

A) केवल 1, 2 और 3

B) केवल 2, 3 और 4

C) केवल 1, 3 और 4

D) सभी कथनों को सही माना जा सकता है

Result Mitra

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष पद पर हाल ही में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

नवनियुक्त अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन

- डॉ. वी. नारायणन को 7 जनवरी 2025 को इसरो का 11वां अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। वे 14 जनवरी 2025 को पदभार ग्रहण करेंगे, और वर्तमान अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ का कार्यकाल 14 जनवरी को समाप्त हो रहा है।

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

नवनियुक्त अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन

शैक्षिक और व्यावसायिक पृष्ठभूमि:

- डॉ. नारायणन ने 1984 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसरो में अपने करियर की शुरुआत के बाद, उन्होंने रॉकेट प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी और स्पेसक्राफ्ट प्रोपल्शन के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की।
- उन्होंने ऑगमेंटेड सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (ASLV) और रोहिणी साउंडिंग रॉकेट के लिए सॉलिड प्रोपल्शन सिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

नवनियुक्त अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन

इसरो का योगदान:

इसरो ने भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दिलाई हैं, जिनमें शामिल हैं:

- उपग्रह संचार: INSAT और GSAT उपग्रहों के माध्यम से दूरसंचार, टेलीमेडिसिन, टेलीविजन, ब्रॉडबैंड, रेडियो, आपदा प्रबंधन, खोज और बचाव अभियान जैसी सेवाएँ प्रदान की गई हैं।

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

नवनियुक्त अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन

इसरो का योगदान:

- उपग्रह प्रक्षेपण: स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV, ASLV, PSLV, GSLV) के माध्यम से उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया गया है।
- अंतरिक्ष मिशन: मंगलयान (Mars Orbiter Mission) और चंद्रयान मिशन जैसे महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनों का संचालन किया गया है।

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

नवनियुक्त अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन

इसरो का योगदान:

- **अंतरिक्ष विज्ञान:** एस्ट्रोसैट के रूप में भारत की पहली अंतरिक्ष वेधशाला स्थापित की गई है।
- डॉ. नारायणन की अध्यक्षता में, इसरो चंद्रयान-4 और गगनयान जैसे महत्वपूर्ण मिशनों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कुछ आगामी मिशन

गगनयान

- मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान को साल 2026 में लॉन्च करने की संभावना है.

चंद्रयान-4

- चंद्रमा से सैंपल लेकर वापस लौटने वाला यह मिशन साल 2028 में लॉन्च होने की संभावना है.

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कुछ आगामी मिशन

चंद्रयान-5

- चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र का पता लगाने के लिए जापान की अंतरिक्ष एजेंसी JAXA के साथ मिलकर इस मिशन को पूरा किया जाएगा. इसकी लॉन्च के लिए समय सीमा का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन साल 2028 के बाद ही इसे लॉन्च होने की उम्मीद है.

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कुछ आगामी मिशन

NISAR

- भारत और अमेरिका का संयुक्त अभियान NISAR को साल 2025 में लॉन्च करने की योजना है.

स्पैडेक्स

- अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग मिशन (SPADEX) के तहत, इसरो पहली बार दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग का प्रयास करेगा. यह मिशन 30 दिसंबर, 2024 को लॉन्च किया गया था.

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

दुनिया की कुछ प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियां:

चीन नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (CNSA)

- इसकी स्थापना 1993 में हुई थी चांग'ई चंद्रमा मिशन, तियान्गोंग स्पेस स्टेशन, और मार्स रोवर तियानवेन-1 इसके प्रमुख मिशन हैं.

रशियन फ़ेडरल स्पेस एजेंसी

- इसकी स्थापना 1992 में हुई थी. सोयुज और प्रोग्रेस अंतरिक्ष यान, और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) के साथ सहयोग इसकी प्रमुख उपलब्धियां हैं.

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ एवं इसरो का योगदान

Result Mitra

दुनिया की कुछ प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियां:

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइज़ेशन (इसरो)

- इसकी स्थापना 1969 में हुई थी. भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के भारत भर में कुल 21 केंद्र है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन सा कथन डॉ. वी. नारायणन के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के अध्यक्ष बनने के बाद के योगदान को सही तरीके से दर्शाता है?

1. डॉ. वी. नारायणन को 7 जनवरी 2025 को ISRO का 11वां अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है।

2. ISRO के प्रमुख योगदानों में उपग्रह संचार, उपग्रह प्रक्षेपण, मंगलयान और चंद्रयान मिशन शामिल हैं।

3. डॉ. नारायणन ने 1984 में IIT खड़गपुर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और वे रॉकेट प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ हैं।

4. डॉ. नारायणन की अध्यक्षता में ISRO चंद्रयान-4 और गगनयान जैसे मिशनों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

कौन सा कथन सही है?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2, 3 और 4

C) केवल 1, 2 और 3

D) सभी 1, 2, 3 और 4

Result Mitra

Thank You